Maharashtra Model of Tribal Development

2849. SHRI ONKAR SINGH LAKHAWAT: Will the Minister of SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT be pleased to state:

(a) the States in which Maharashtra Model of tribal development has been adopted;

(b) what action is proposed against defaulter States; and

(c) whether Central Government propose to implement Maharashtra Model of the Planning Commission level i.e. earmarking of separate enhanced plan ceiling for Tribal Area Development?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT (SHRIMATI MANEKA GANDHI): (a) The States of H.P., Tripura, West Bengal, M.P., Gujarat & Kerala have adopted Maharashtra model since 1996-97. The Union Territory of A & N Island has decided to adopt the Maharashtra Model and modalities of the same are being worked out.

(b) No specific action is contemplated for those States that have not adopted the Maharashtra Model. Those States that have not adopted the Model are impressed upon in the Annual Tribal Sub Plan Meeting to do so.

(c) No Sir. There is no such proposal.

इस्पात का उत्पादन और मांग

2850. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला:** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में इस्पात का उत्पादन इसकी मांग से अधिक है अथवा कम है या इसके विपरीत है और यदि हां, तो मांग तथा आपूर्ति में कितना अंतर है;

(ख) वर्ष 1993-94, 1994-95, 1995-96 और 1996-97 के दौरान इस्पात के उत्पादन, मांग और इसकी खपत का पृथक-पृथक ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा इस्पात के इष्टतम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विगत में कोई प्रोत्साहन योजना प्रारम्भ की गई है;

(घ) क्या सरकार द्वारा इस्पात के निर्यात के लिए कोई बृहत योजना बनाई गई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वह किस तारीख को प्रारम्भ की गई है और इस संबंध में भावी योजना क्या है?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस): (क) वर्ष 1997-98 के लिए परिसज्जित इस्पात (कार्बन) का उतपदन, मांग और अन्तर निम्नानुसार थे:-

(दस लाख टन)

मांग	उत्पादन	मांग/प्रत्यक्ष खपत
22.38	22.57	(+) 0.19

(ख) वर्ष 1993-94, 1994-95, 1995-96 और 1996-97 के दौरान परिसज्जित इस्पात के उत्पादन और मांग/प्रत्यक्ष खपत का ब्यौरा नीचे दिया गया है:—

(मात्रा: दस लाख टन)

वर्ष	उत्पादन	मांग/प्रत्यक्ष खपत
1993-94	15.20	15.32
1994-95	17.82	18.66
1995-96	21.41	21.29
1996-97	22.72	22.12

(ग) इस्पात की खपत में वृद्धि करने के लिए इस्पात मंत्रालय ने कई कदम उठाए हैं। इस्पात की खपत में वृद्धि करने के लिए विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात तथा संयुक्त संयंत्र समिति सेमीनार आयोजित कर रहे हैं। इस्पात की खपत में वृद्धि करने के लिए हाल ही में एक राष्ट्रीय अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान से ग्रामीण और कृषि क्षेत्र जैसे नए क्षेत्रों में इस्पात के उपयोग को बढ़ाने के लिए अनाज के लिए भण्डारण पात्र और पानी की टंकियों के लिए अच्छी बाजार सम्भावना सहित इस्पात के विशिष्ट उत्पाद अभिज्ञात किए गए हैं।